दैनिक ट्रिब्यून 21-8-98

दैनिक भास्कर 21-8-98

शिक्षा पद्धति में पूर्ण बदलाव ज़रूरी : सुमन कृष्णकांत

गोहाना, 20 अगस्त (निस)। भारत के उपराष्ट्रपति की पत्नी और राष्ट्रीय महिला दक्षता समिति की अध्यक्ष श्रीमती सुमन कृष्णकांत ने आज यहां कहा कि संपूर्ण देश की शिक्षा पद्धति को आमूल-चूल परिवर्तनों द्वारा ऐसा बनाया जाना चाहिए जो विद्यार्थियों में अच्छे संस्कारों को विकसित करने में सक्षम हो।

श्रीमती कृष्णकांत प्रसिद्ध गांधीवादी नेता व स्वाधीनता सेनानी स्वर्गीय बाबू मूल चंद जैन को श्रद्धासुमन अर्पित करने आई थीं। वह श्री जैन के पैतृक गांव सिकंदरपुर माजरा में 84वें जन्मदिवस समारोह की मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने राजकीय उच्च विद्यालय जिसका नामकरण हरियाणा सरकार द्वारा बाबू मूल चंद जैन की स्मृति में किया जा चुका है, में श्री जैन की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया और सोनीपत के आयुर्वेद विभाग द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया, जिसमें सर्वप्रथम रक्तदान बागवानी व विपणन राज्यमंत्री जगबीर सिंह मलिक ने किया। कुल 126 नागरिकों ने रक्तदान किया।

स्वर्गीय श्री जैन के साथ अपनी स्मृतियों को ताज़ा करते हुए सुमन कृष्णकांत ने कहा कि उनसे 40 सालों से संबंध थे। पहले श्री जैन उनके पिता के सहयोगी थे और शादी के बाद ससुराल में उनका सबसे पहले स्वागत करने वाले पारिवारिक मित्रों में से एक थे। उनके अनुसार आज़ादी से पहले जब कभी श्री जैन पंजाब जाते थे, वह उनके जोशीले भाषण सुनने ज़रूर पहुंचती थीं। श्रीमती कृष्णकांत शिक्षामंत्री राम बिलास शर्मा के साथ उस चौपाल में भी गईं जहां 6 मार्च 1941 को सत्याग्रह आंदोलन में श्री जैन को गिरफ्तार किया गया था।

अपने संबोधन में शिक्षामंत्री श्री शर्मा ने गांव के उच्च विद्यालय को इसी साल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय करने और श्री जैन की कर्मभूमि रहे करनाल के किसी एक शिक्षण संस्थान का नामकरण उनकी याद में करने का ऐलान किया।

समारोह में श्री जैन को 'हरियाणा रत्न' से सम्मानित करने और उनके जन्मदिवस पर 20 अगस्त को पूरे प्रदेश में 'पुस्तकालय दिवस' के रूप में मनाने की मांग की गई। कृषि राज्यमंत्री कृष्णा गहलावत, पानीपत के निर्दलीय विधायक ओम प्रकाश जैन भी इस अवसर पर मौजूद थे।

downloaded from moolchandjain.org